18/6/64 रात्रि का क्लास :– तुम बच्चों की बड़ी जबरदस्त कमाई है। तुम ब्राह्मण कुल भूषणों की है हाईएस्ट पोजीशन। सबसे बड़ा पद है बी०के० कुमारियों का। देती है हाईएस्ट गवर्मेन्ट अथवा पांडव गवर्मेंट कहें। कैसी–2 बुढ़ियाँ हैं! बड़ी जबरदस्त कमाई करती हैं। सेन्टर जो खोलती हैं, उनकी कमाई बहुत है। सेन्टर खोलती हैं शिवबाबा के नाम पर। शिवबाबा का यह सेन्टर है। हमारा ममत्व कुछ नहीं रहता। शिवबाबा पास ही हर एक इन्श्योर करते हैं। इस समय तुम ईश्वरीय कॉलेज में इम्तहान पास कर स्वर्ग की सजन–सजनी बनते हो। तुम बच्चे बैठे हो महाराजा–महारानी बनने। सो कहते, हम ल०ना० को वरेंगे। यह है ही राजाओं का राजा बनना। पतित राजाओं के राजा फिर जो पावन राजाएँ हैं, उनका भी राजा हैं ल०ना०। तुम समझाय सकते हो, गॉड फादर बेहद का बाप, इससे बेहद का वर्सा मिलता है संगमयुग पर। बच्चे ड्रामा को भी जानते हैं। तुमको ड्रामा का नशा रहना चाहिए। सेकेण्ड ... सेकेण्ड जो पास हुआ वह फिर कल्प बाद रिपीट करेंगे। जूँ के माफिक ड्रामा चल रहा है। तुम बेहद की पोजीशन पाते हो। सदा सौभाग्यशाली तुम ही बनते हो। मात–पिता से फिर से स्वर्ग के सुख घनेरे लेने आए हो। प०पि०प० निराकार को मात–पिता कहते हैं, ल०ना० को नहीं कह सकते। बाप कहते हैं मैं गुह्य राज़ सुनाता हूँ। गुडनाइट। ॐ